(2) जीडर डी रोबर्ट: "श्रम अर्थशास्त्र में श्रम समस्याओं के वर्गीकरण एवं विश्लेषण तथा श्रम संघ के विकास एवं भूमिका के साथ श्रम बाजार की विशेषताओं का विवेचन किया जाता है।"

(3) डेल योडर ने इसे "मानवशक्ति अर्थशास्त्र की संज्ञा दी है। उनके अनुसार श्रम अर्थशास्त्र मुख्यतः जनशक्ति एवं साधनों के अनुकूलतम उपयोग एवं सुरक्षा से संबंधित है।"

(4) प्रोफेसर सी. एन. वकील: "श्रम अर्थशास्त्र के अन्तर्गत एक बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था में मानवीय कल्याण पर समुचित ध्यान देते हुए दूसरे साधनों के संबंध में मानवीय साधनों के प्रभावपूर्ण उपयोग की दशाओं का अध्ययन किया जाता है।"

एक तरह से यह दृष्टिकोण श्रम अर्थशास्त्र को एक विकास-प्रधान के रूप में देखता है।

हम श्रम अर्थशास्त्र की एक सामान्य परिभाषा इस प्रकार कर सकते हैं: "श्रम अर्थशास्त्र वह विज्ञान एवं कला है जिसमें विभिन्न श्रम समस्याओं का सैद्धांतिक और व्यवहारिक रूपों में अध्ययन किया जाता है।"

श्रम अर्थशास्त्र एक विज्ञान है, क्योंकि श्रम अर्थशास्त्र को किसी समस्या पर तब तक निर्णय नहीं किया जा सकता है कि जब तक हम जान न लें कि श्रम का व्यवहार कैसे और क्यों होता है? व्यवहार में कुछ नियम होते हैं। अतः व्यवहार का सैद्धान्तिक विवेचन भी हो सकता है। श्रम की कुछ समस्या भी होती है जिनके कारण और परिणामों पर विचार करके उनका निदान खोजने की आवश्यकता पड़ती है। इस प्रकार श्रम अर्थशास्त्र का सैद्धान्तिक पक्ष भी है और व्यवहारिक उपयोग भी। इसलिए श्रम अर्थशास्त्र विज्ञान और कला दोनों है।

ऊपर देखने से हमें ऐसे प्रतीत होता है कि श्रम अर्थशास्त्र में श्रम की समस्याओं और सैद्धांतिक अध्ययन किया जाता है अतः यह ज्ञान होना आवश्यक है कि श्रम से हमारा तात्पर्य क्या है।

Dr. Pankaj Kr yadav
Deptt. L.S.W S.N.S.R.K college
Saharsa

Page No. L.S.W

L.S.W B.A(Honus) Paper I
Part I

1. Q - Define Labour economics and discuss its subject matter nature and scope. (श्रम अर्थशास्त्र को परिभाषित कीजिए तथा इनकी विषय सामग्री, प्रकृति एवं क्षेत्र का विवेचन कीजिए

Ans- श्रम अर्थशास्त्र अध्ययन के एक प्रमुख अंग के रूप में अर्थशास्त्र के अध्ययन की वह शाखा है जिसके अन्तर्गत श्रम एवं उसकी समस्याओं और उससे संबंधित सिद्धान्त आदि का अध्ययन किया जाता है। परन्तु श्रम अर्थशास्त्र को हम केवल अर्थशास्त्र का एक अंग नहीं मान सकते क्योंकि श्रम अर्थशास्त्र पर अर्थशास्त्र के अतिरिक्त समाजविज्ञान, मनोविज्ञान, राजनीतिशास्त्र व नीतिशास्त्र आदि अनेक सामाजिक विज्ञानों का प्रभाव पड़ा है। श्रम की समस्याएं केवल आर्थिक समस्याएं ही नहीं बल्कि राजनीतिक, मनोवैज्ञानिक तथा नैतिक समस्याएँ भी हैं। यद्यपि श्रम अर्थशास्त्र में भी अन्य विज्ञानों की भाँति अनेक विज्ञानों का प्रभाव पड़ा है परन्तु इसका अपना एक अस्तित्व है। श्रम अर्थशास्त्र सामाजिक उत्पादन में श्रम की बढ़ती हुई भूमिका तथा प्रस्थिति (Status) की ओर संकेत करता है।

आर्थिक अध्ययन के एक महत्वपूर्ण अंग के रूप में "श्रम अर्थशास्त्र अर्थशास्त्र के अध्ययन की वह शाखा है जिसके अन्तर्गत श्रम एवं उसकी समस्याओं तथा उससे संबंधित सिद्धान्तों का अध्ययन किया जाता है।

श्रम अर्थशास्त्र की कुछ प्रमुख परिभाषाएं

(i) कार्टर तथा मार्शल ने श्रम अर्थशास्त्र को "किसी औद्योगिकरण की ओर बढ़ती हुई अथवा औद्योगिकृत अर्थव्यवस्था में श्रम बाजार के संगठन, संस्थाओं और आचरण के लिए अध्ययन के रूप में परिभाषित किया है।" (Labour Economics may be defined "as a study of the Organizations and behaviour of the Labour market in an industrialized economy" — A.M. Carter and M.R. Marshall